थॉमस एस.मॉनसन दवारा

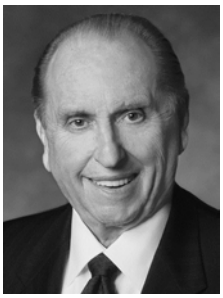

हमारा मार्गदर्शन करने के लिए भविष्यवक्ता

कुछ वर्ष पूर्व, मैं साल्ट लेक मंदिर के एक कमरे में बैठा था जहाँ पहली अध्यक्षता और बारह प्रेरितों की परिषद् हफ्ते में एक बार मिलती हैं । मैंने एकटक उस दिवार को देखा जिसका मुंह पहली अध्यक्षता की ओर हैं, और वहाँ मैंने गिरजा के हर अध्यक्ष के चित्र को ध्यान से देखा ।

जैसे की मैंने एकटक उन्हें देखा, अपने पूर्वाधिकारियों को - भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ से (1805-44) भविष्यवक्ता गॉर्डोन बी. हिंक्ली (1910-2008) तक - मैंने सोचा, " मैं कितना आभारी हूँ हर एक के मार्गदर्शन के लिए ।"

ये वह महान पुरुष हैं जो कभी नहीं हिचकिचाये, कभी नहीं लडखडाये, और कभी असफल नहीं हुए । ये पुरुष परमेश्वर के हैं । जैसे की मैं आधुनिक युग के भाविष्यवक्ताओ के विषय में सोचता हूँ जिन्हें मैंने जाना और प्रेम किया हैं, मैं उनके जीवन, उनके भाव और उनकी प्रेरित सीख को याद करता हूँ ।

अध्यक्ष हेबर जे. ग्रांट (1856-1945) गिरजे के अध्यक्ष थे जब में पैदा हुआ था । जैसे की मैं उनके जीवन और सीख को विचारता हूँ ,मैं विश्वास करता हूँ अध्यक्ष ग्रांट की एक विशेषता जिसका उदहारण हमेशा प्रस्तुत किया करते थे वह दृनता-दृनता उन चीजों में जो मान्य और उच्च हैं ।

अध्यक्ष जार्ज ऐल्बर्ट स्मिथ (1870-1951) उस समय गिरजा के अध्यक्ष थे जब मैं साल्ट लेक सिटी के एक वार्ड में बिशप के रूप में सेवा कर रहा था । उन्होंने देखा की एक बड़ा रस्साकशी का युद्ध था प्रभु और विपक्ष के बीच । " यदि आप प्रभु की सीमा में रहेंगे ," उन्होंने सीख दी, " आप उनके प्रभाव में रहेंगे और कुछ भी गलत करने की इच्छा ना करेंगे ।"

मुझे अध्यक्ष डेविड ओ.मक्क्ये द्वारा बारह प्रेरितों की परिषद् की सदस्यता में 1963 में सेवा के लिए बुलाया गया । उन्होंने अपने जीवन जीने के माध्यम से दूसरो को महत्व देना सिखाया । " असली ईसाई धर्म," उन्होंने कहाँ, " प्रेम के कार्य करने में हैं ।"

अध्यक्ष जोसफ फीलिडंग स्मिथ (1876-1972), गिरजे के एक सबसे सफल लेखक, उनके जीवन में मार्गदर्शक सिद्धांत सुसमाचार की छात्रवृत्ति थी । वह धर्मशास्त्र निरंतर पढ़ते थे और वह उतने ही उन पन्नों में पाए जाने वाले शिक्षण और सिद्धांतो से परिचित थे जैसे की मैंने कभी किसी को इतना जाना हो ।

जब मैं लड़का था तो अध्यक्ष हेरोल्ड बी.ली (1899-1973) ने मेरे स्टेक अध्यक्ष के रूप में सेवा की । उनकी पसंदीदा उद्धरण," पवित्र स्थानों पर खड़े हो, और हिलो नहीं ।" उन्होंने संतो को पवित्र आत्मा की फुसफुसाहट की और स्वरबद्ध, और उत्तरदायी होने का प्रोत्साहन दिया ।

मैं विश्वास करता हूँ की अध्यक्ष स्पेंसर डब्ल्यू. किम्बल (1895-1985) के जीवन में एक मार्गदर्शक सिद्धांत समर्पण था । वह पूर्णता से, स्पष्टता से प्रभु की और समर्पित थे । वह सुसमाचार जीने के लिए भी समर्पित थे ।

जब अध्यक्ष एज्रा टेफ्ट बेंसन (1899-1994) गिरजा के अध्यक्ष बने, उन्होंने मुझे पहली अध्यक्षता में अपने दुसरे सलाहकार की सेवा में बुलाहट दी । प्रेम उनका मार्गदर्शक सिद्धांत था, जोकि उनके पसंदीदा उद्धरण में सम्मिलित हैं, उद्धारकर्ता द्वारा भी बोला गया हैं :" किस व्यवहार का मनुष्य तुम्हें होना चाहिए ? और मैं तुमसे कहता हूँ , जैसा मैं हूँ ।"

अध्यक्ष हॉवर्ड डब्ल्यू. हंटर (1907-95) वह थे जो हमेशा दूसरो में अच्छाई को देखते थे । वह सदा से नम्र थे, वह सदा से दीन थे । उनका दूसरा सलाहकार होकर सेवा करना मेरा विशेषाधिकार था ।

अध्यक्ष गॉर्डोन बी.हिंक्ली ने हमें हमारा सबसे अच्छा करने की सीख दी । उन्होंने उद्धारकर्ता और उनके कार्य की एक प्रभावशाली गवाही दी । उन्होंने हमें प्रेम से सिखाया । उनके पहले सलाहकार की सेविका मेरे लिए सम्मान और आशीष थी ।

उद्धारकर्ता भाविष्यवक्ताओ को इसलिए भेजते हैं क्यूंकि वह हमसे प्रेम करते हैं । इस अक्टूबर के महा सम्मेलन के दौरान, गिरजे के जनरल अध्यक्षों को एक बार फिर से उनके वचन को बांटने का अवसर प्राप्त होगा । हम इस उत्तरदायित्व को बड़ी गंभीरता और नम्रता से निभाते हैं ।

हम यीशु मसीह के पुनःस्थापित गिरजाघर के इस धरती पर होने से कितने आशीषित हैं और की यह गिरजाघर प्रकटीकरण कि चट्टान पर स्थापित किया गया हैं । निरंतर प्रकटीकरण यीशु मसीह के सुसमाचार का सम्पूर्ण जीवन आधार हैं ।

हम तैयार रहे निजी प्रकटीकरण प्राप्त करने के लिए

टिप्पणिया

1. *Teachings of Presidents of the Church: George Albert Smith* (2011), 191.
2. *Teachings of Presidents of the Church: David O. McKay* (2003), 181.
3. सिद्धान्तो और अनुबंधों 87:8
4. 3 नफी 27:27.

इस संदेश से शिक्षा देना

अध्यक्ष मॉनसन एक प्रभावशाली शिक्षण को बाटतें हैं जो उन्होंने अपने से पहले भाविष्यवक्ताओ से सीखा । वह हमें यह भी याद दिलाते हैं की " उद्धारकर्ता भाविष्यवक्ताओं को इसलिए भेजते हैं क्यूंकि वह हमें प्रेम करते हैं ।" उनकी सेवा में जिन्हें आप पढ़ाते हैं, आप विचार-विमर्श कर सकते हैं की कैसे भविष्यवक्ता और प्रेरित परमेश्वर के प्रेम का चिन्ह हैं हमारे लिए ।

युवा

हम आपका धन्यवाद करते हैं, हैं परमेश्वर , भविष्यवक्ता के लिए

हमारे भविष्यवक्ता, थॉमस एस.मॉनसन ने कैसे आपको प्रभावित किया हैं ? आप उनके बारे में सबसे अधिक क्या याद रखेंगे? गौर करें, अपनी डायरी में अध्यक्ष मॉनसन और उनके जीवन के विषय में लिखे -- बहुत सा उसी तरह से जैसा विवरण वह अपने इस सन्देश में हर उस भविष्यवक्ता के प्रभाव का जो *उन्हें* याद हैं ।

आप उनका सबसे पसंदीदा उद्धरण चुन सकते हैं और वहा लिख सकते हैं जहाँ आप उसे अक्सर देख सके , जैसे की स्कूल की किताब पर या अपने कमरे में लिख कर । आप उस उद्धरण की एक तस्वीर बना सकते हैं और अपने फ़ोन की पृष्ठिका पर लगा सकते हैं ! हर बार जब आप उस उद्धरण को देखते हो, आप जीवित भविष्यवक्ता की अहमियत पर विचार कर सकते हैं और याद रख सकते हैं की वह हमें आज प्रेम और हमारा मार्गदर्शन करने के लिए हैं ।

आप संगीत को यहाँ डाउनलोड कर सकते हैं "We Thank Thee, O God, for a Prophet".

बच्चे

भविष्यवक्ता हमारा मार्गदर्शन मसीह की ओर करते हैं

उद्धारकर्ता भाविष्यवक्ताओं को इसलिए देते हैं क्यूंकि वह हम से प्रेम करते हैं । भाविष्यवक्ताओं का अनुसरण करना हमें सहीं का चुनाव करने में मदद करता हैं । आप कौन सी दो चीज़े भविष्यवक्ता का अनुसरण करने के लिए कर सकते हैं ?

© 2017 द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी। अग्रेंजी अनुमतिः6/16 । अनुवाद अनुमतिः6/16 । हिन्दी अनुवाद 97929 294

एक हृदय के

विश्वास परिवार सहायता

प्रार्थनापूर्वक इस सामग्री का अध्ययन करें और प्ररेणापूर्वक खोजे की क्या बांटना है । सहायता संस्था के उदेश्य का समझाने के लिये परमेश्वर की बेटियों का अनंत जीवन के लिये कैसे तैयार करेंगी ?

और प्रभु ने अपने लोगो को - ज़िओन बुलाया, क्यूंकि वह एक हृदय और एक मन के थे , और सच्चाई में जीते थे; और कोई भी उनमें गरीब ना था" (मूसा 7:18). हम एक कैसे हो सकते हैं ?

बारह प्रेरितों की परिषद के एल्डर एम् रसल बल्लार्ड ने कहाँ: " अंग्रेजी के मन के शब्द *एटोनमेंट* का शब्द *एक* हैं । यदि सारी मनुष्य जाती यह समझ सकती, तो कोई भी ऐसा नहीं होता जिसकी हमें चिंता ना होती, उम्र, जाती, लिंग, धर्म या सामाजिक या आर्थिक स्तिथि के बावजूद । हम उद्धारकर्ता का अनुसरण करने का प्रयास करते रहेंगे और कभी भी दूसरो के प्रति निर्दयी, असामान्य, अनुचित, या असंवेदनशील ना होंगे ।"

अध्यक्ष हेनरी बी. अय्रिंग, पहले सलाहकार पहली अध्यक्षता के, ने सिखाया : " जहाँ लोगों में पवित्र आत्मा होती हैं, [वे] संगती का आभास कर सकते हैं..परमेश्वर की आत्मा कभी भी विरोध नहीं उत्पन्न करती (देखें 3 नफी 11:29). ...यह निजी शांति की ओर ले जाती हैं और दूसरो के साथ एकता को महसूस कराती हैं ।"2

परिवार की चुनौतियों के बारे में बोलते हुए , कैरोल एम्.स्टीफेंस, जिन्होंने सहायता संस्था की जनरल अध्यक्षता में पहले सलाहकार के रूप में सेवा की, कहाँ: " मुझे कभी भी तलाक से नहीं गुज़ारना पड़ा, जो दर्द और असुरक्षा छोड़ने से आती हैं , या उस उत्तरदायित्व से जो कि एक अकेली माँ से जुडी होती हैं । मैंने एक बच्चे की मृत्यु, अनुपजाऊता, या एक ही लिंग के आकर्षण का अनुभव नहीं किया हैं । मुझे किसी अनुचित व्यवहार, दीर्घ बीमारी, या बुरी आदत को झेलना नहीं पड़ा हैं । यह मेरे तनाव के अवसर नहीं रहे ।

"...किन्तु मेरी *अपनी* निजी परिक्षाएं और दुखो से...मैं उन सब से परिचित हो चुकी हूँ जो इन्हें समझता हैं ..और इसमें जुडी, मैंने उन सभी नश्वर परीक्षाओ को अनुभव किया हैं जो मैंने अभी कहें एक बेटी, माँ, दादी , बहन, चाची और दोस्त की आँखों से ।

"हमारे अवसर अनुबंधों को रखने वाली परमेश्वर की पुत्रियों का केवल अपनी चुनौतियों से सीखना नहीं हैं ; यह सहानुभूति और दया में एक जुट हो कर परमेश्वर के परिवारों के संघर्ष में समर्थन करना हैं ।"3

अतिरिक्त शास्त्र और सूचना
यहुन्ना 17:20-23; एफेसियो 4:15; यशायाह 18:21-22; 4 नफी 1:15

टिप्पणीया

1. एम् रुस्स्ल बेल्लर्ड, “The Atonement and the Value of One Soul,” लियाहोना, मई 2004, 86.
2. हेनरी बी. अयरिंग, “That We May Be One,” , May 1998, 67.
3. कैरल एम्. स्टीफेंस, “The Family Is of God,” लियाहोना, मई 2015, 11-12.

गौर करें

एक दूसरे के साथ एकता में होना हमारा परमेश्वर के साथ एक बनने में कैसे मदद करता हैं ?

© 2017 द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी। अग्रेंजी अनुमतिः6/16 । अनुवाद अनुमतिः6/16 । हिन्दी अनुवाद 97929 294